Job

Chapter 13

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1	הֵן־	כֹּל	רָאֲתָה	עֵינִי	שָׁמְעָה	אָזְנִי	וַתָּבֶן	לָהּ׃
	देखो	सब	देखा	मेरी-आँख-ने	सुना	मेरे-कान-ने	और-समझा	उसे
	H2005	H3605	H7200		H8085	H0241	H0995	

अय्यूब ने कहा: “मेरी आँखों ने यह सब पहले देखा है और पहले ही मैं सुन चुका हूँ जो कुछ तुम कहा करते हो। इस सब की समझ बूझ मुझे है।

2	כְּדַעְתְּכֶם	יָדַעְתִּי	גַּם־	אֲנִי	לֹא־	נֹפֵל	אָנֹכִי	מִכֶם׃
	तुम्हारे-ज्ञान-जैसा	मैं-जानता-हूँ	भी	मैं	नहीं	गिरा-हुआ	मैं	तुमसे
	H1847	H3045	H1571	H0589	H3808	H5307	H0595	

मैं भी उतना ही जानता हूँ जितना तू जानता है, मैं तुझ से कम नहीं हूँ।

3	אוּלָם	אֲנִי	אֶל־	שַׁדַּי	אֲדַבֵּר	וְהוֹכֵחַ	אֶל־	אֵל	אֶחְפָּץ׃
	परन्तु	मैं	की-ओर	सर्वशक्तिमान	बोलूँगा	और-तर्क-करना	की-ओर	ईश्वर	मैं-चाहता-हूँ
	H0199	H0589	H0413	H7706	H1696	H3198	H0413	H0410	

किन्तु मुझे इच्छा नहीं है कि मैं तुझ से तर्क करूँ, मैं सर्वशक्तिमान परमेश्वर से बोलना चाहता हूँ। अपने संकट के बारे में, मैं परमेश्वर से तर्क करना चाहता हूँ।

4	וְאוּלָם	אַתֶּם	טֹפְלֵי־	שָׁקֶר	רֹפְאֵי	אֱלִל	כֻּלְּכֶם׃
	परन्तु	तुम	गढ़ने-वाले	झूठ	चंगा-करने-वाले	व्यर्थ	तुम-सब
	H0199		H2950	H8267	H7495	H0457	H3605

किन्तु तुम तीनो लोग अपने अज्ञान को मिथ्या विचारों से ढकना चाहते हो। तुम वो बेकार के चिकित्सक हो जो किसी को अच्छा नहीं कर सकता।

5	מִי־	יִתֵּן	הַחֲרֵשׁ	תַּחֲרִישׁוּן	וְיִהְיֶה	לָכֶם	לְחָכְמָה׃
	कौन	देगा	चुप	तुम-चुप-रहो	और-होगी	तुम्हारे-लिए	बुद्धि
	H4310	H5414			H1961		H2451

मेरी यह कामना है कि तुम पूरी तरह चुप हो जाओ, यह तुम्हारे लिये बुद्धिमत्ता की बात होगी जिसको तुम कर सकते हो!

6	שִׁמְעוּ־	נָא	תּוֹכַחְתִּי	וְרִבוֹת	שְׂפָתַי	הַקְשִׁיבוּ׃
	सुनो	कृपया	मेरा-तर्क	और-विवादों-को	मेरे-होंठों-के	ध्यान-दो
	H8085	H4994		H7379	H8193	H7181

“अब, मेरी युक्ति सुनो! सुनो जब मैं अपनी सफाई दूँ।

7	הַלְאֵל	תְּדַבְּרוּ	עַוְלָה	וְלוֹ	תְדַבְּרוּ	רְמִיָּה׃
	क्या-ईश्वर-के-लिए	तुम-बोलोगे	अन्याय	और-उसके-लिए	तुम-बोलोगे	छल
	H0410	H1696			H1696	

क्या तुम परमेश्वर के हेतु झूठ बोलोगे क्या यह तुमको सचमुच विश्वास है कि ये तुम्हारे झूठ परमेश्वर तुमसे बुलवाना चाहता है

8	הַפָּנָיו	תִּשָּׂאוּן	אִם־	לָאֵל	תְּרִיבוּן׃
	क्या-उसका-चेहरा	तुम-उठाओगे	या-क्या	ईश्वर-के-लिए	तुम-विवाद-करोगे
	H6440	H5375		H0410	H7378

क्या तुम मेरे विरुद्ध परमेश्वर का पक्ष लोगे check क्या तुम न्यायालय में परमेश्वर को बचाने जा रहे हो

9	הֲטוֹב	כִּי־	יַחְקֹר	אֶתְכֶם	אִם־	כְּהָתֵל	בֶּאֱנוֹשׁ	תְּהָתֵלּוּ	בוֹ׃
	क्या-अच्छा-होगा	कि	वह-जाँचे	तुम्हें	या-क्या	ठगने-जैसे	मनुष्य-को	तुम-ठगोगे	उसे
			H2713	H0853			H0582		

यदि परमेश्वर ने तुमको अति निकटता से जाँच लिया तो क्या वह कुछ भी अच्छी बातपायेगा क्या तुम सोचते हो कि तुम परमेश्वर को छल पाओगे, ठीक उसी तरह जैसे तुम लोगों को छलते हो

10

הוֹכֵ֣חַ	יוֹכִ֣יחַ	אֶתְכֶ֑ם	אִם־	בַּ֝סֵּ֗תֶר	פָּנִ֥ים	תִּשָּׂאֽוּן׃
डाँटना	वह-डाँटेगा	तुम्हें	यदि	गुप्त-में	चेहरा	तुम-उठाओगे
H3198	H3198	H0853			H6440	H5375

> यदि तुम न्यायालय में छिपे छिपे किसी का पक्ष लोगे तो परमेश्वर निश्चय ही तुमको लताड़ेगा।

11

הֲלֹ֣א	שְׂ֭אֵתוֹ	תְּבַעֵ֣ת	אֶתְכֶ֑ם	וּ֝פַחְדּ֗וֹ	יִפֹּ֥ל	עֲלֵיכֶֽם׃
क्या-नहीं	उसका-तेज	डराएगा	तुम्हें	और-उसका-भय	गिरेगा	तुम-पर
H3808	H7613	H1204	H0853	H6343	H5307	

> भव्य तेज तुमको डरायेगा और तुम भयभीत हो जाओगे।

12

זִ֭כְרֹנֵיכֶם	מִשְׁלֵי־	אֵ֑פֶר	לְגַבֵּי־	חֹ֝֗מֶר	גַּבֵּיכֶֽם׃
तुम्हारी-यादें	कहावतें	राख-की	गढ़ों-के-लिए	मिट्टी-के	तुम्हारे-गढ़
H2146	H4912	H0665	H1354		H1354

> तुम सोचते हो कि तुम चतुराई भरी और बुद्धिमत्तापूर्ण बातें करते हो, किन्तु तुम्हारे कथन राख जैसे व्यर्थ हैं। तुम्हारी युक्तियाँ माटी सी दुर्बल हैं।

13

הַחֲרִ֣ישׁוּ	מִ֭מֶּנִּי	וַאֲדַבְּרָה־	אָ֑נִי	וְיַעֲבֹ֖ר	עָלַ֣י	מָֽה׃
चुप-रहो	मुझसे	और-मैं-बोलूँगा	मैं	और-गुजरे	मुझ-पर	जो-कुछ
		H1696	H0589			H4100

> “चुप रहो और मुझको कह लेने दो। फिर जो भी होना है मेरे साथ हो जाने दो।

14

עַל־	מָ֤ה ׀	אֶשָּׂ֣א	בְשָׂרִ֣י	בְשִׁנָּ֑י	וְ֝נַפְשִׁ֗י	אָשִׂ֥ים	בְּכַפִּֽי׃
पर	क्यों	मैं-उठाऊँ	अपना-शरीर	अपने-दाँतों-में	और-अपना-प्राण	मैं-रखूँ	अपनी-हथेली-में
	H4100	H5375	H1320	H8127	H5315		H3709

> मैं स्वयं को संकट में डाल रहा हूँ और मैं स्वयं अपना जीवन अपने हाथों में ले रहा हूँ।

15

הֵ֣ן	יִ֭קְטְלֵנִי	[לא]	(ל֣וֹ)	אֲיַחֵ֑ל	אַךְ־	דְּ֝רָכַ֗י	אֶל־	פָּנָ֥יו	אוֹכִֽיחַ׃
देखो	वह-मुझे-मारेगा	—	उसी-पर	मैं-आशा-रखूँगा	बस	अपने-मार्ग	की-ओर	उसके-चेहरे-के-सामने	मैं-सिद्ध-करूँगा
H2005	H6991	H3808		H3176	H0389	H1870	H0413	H6440	H3198

> चाहे परमेश्वर मुझे मार दे। मुझे कुछ आशा नहीं है, तो भी मैं अपना मुकदमा उसके सामने लड़ूँगा।

16

גַּם־	הוּא־	לִ֥י	לִֽישׁוּעָ֑ה	כִּי־	לֹ֥א	לְ֝פָנָ֗יו	חָנֵ֥ף	יָבֽוֹא׃
भी	वही	मेरे-लिए	उद्धार-के-लिए	क्योंकि	नहीं	उसके-सामने	कपटी	आएगा
H1571	H1931		H3444		H3808	H6440	H2611	H0935

> किन्तु सम्भव है कि परमेश्वर मुझे बचा ले, क्योंकि मैं उसके सामने निडर हूँ। कोई भी बुरा व्यक्ति परमेश्वर से आमने सामने मिलने का साहस नहीं कर सकता।

17

שִׁמְע֣וּ	שָׁ֭מוֹעַ	מִלָּתִ֑י	וְ֝אַחֲוָתִ֗י	בְּאָזְנֵיכֶֽם׃
सुनो	ध्यान-से-सुनो	मेरा-वचन	और-मेरी-घोषणा	तुम्हारे-कानों-में
H8085	H8085	H4405	H0262	H0241

> उसे ध्यान से सुन जिसे मैं कहता हूँ, उस पर कान दे जिसकी व्याख्या मैं करता हूँ।

18

הִנֵּה־	נָ֭א	עָרַ֣כְתִּי	מִשְׁפָּ֑ט	יָ֝דַ֗עְתִּי	כִּי־	אֲנִ֥י	אֶצְדָּֽק׃
देखो	कृपया	मैंने-तैयार-किया	मुकद्दमा	मैं-जानता-हूँ	कि	मैं	धर्मी-ठहरूँगा
H2009	H4994		H4941	H3045		H0589	H6663

> अब मैं अपना बचाव करने को तैयार हूँ। यह मुझे पता है कि मुझको निर्दोष सिद्ध किया जायेगा।

19

מִי־	ה֭וּא	יָרִ֣יב	עִמָּדִ֑י	כִּֽי־	עַתָּ֥ה	אַחֲרִ֣ישׁ	וְאֶגְוָֽע׃
कौन	है-वह	विवाद-करेगा	मेरे-साथ	क्योंकि	अब	मैं-चुप-रहूँगा	और-मर-जाऊँगा
H4310	H1931	H7378	H5978		H6258		H1478

कोई भी व्यक्ति यह प्रमाणित नहीं कर सकता कि मैं गलत हूँ। यदि कोई व्यक्ति यह सिद्ध कर दे तो मैं चुप हो जाऊँगा और प्राण दे दूँगा।

20

אַךְ־	שְׁתַּיִם	אַל־	תַּעַשׂ	עִמָּדִי	אָז	מִפָּנֶיךָ	לֹא	אֶסָּתֵר׃
बस	दो	ना	कर	मेरे-साथ	तब	तेरे-चेहरे-से	नहीं	मैं-छिपूँगा
H0389	H8147	H0408		H5978		H6440	H3808	H5641

“हे परमेश्वर, तू मुझे दो बाते दे दे, फिर मैं तुझ से नहीं छिपूँगा।

21

כַּפְּךָ	מֵעָלַי	הַרְחַק	וְאֵמָתְךָ	אַל־	תְּבַעֲתַנִּי׃
अपनी-हथेली	मुझसे	दूर-कर	और-तेरा-भय	ना	मुझे-डराए
H3709		H7368	H0367	H0408	H1204

मुझे दण्ड देना और डराना छोड़ दे, अपने आतंको से मुझे छोड़ दे।

22

וּקְרָא	וְאָנֹכִי	אֶעֱנֶה	אוֹ־	אֲדַבֵּר	וַהֲשִׁיבֵנִי׃
और-पुकार	और-मैं	उत्तर-दूँगा	या	मैं-बोलूँगा	और-तू-मुझे-उत्तर-दे
H7121	H0595			H1696	H7725

फिर तू मुझे पुकार और मैं तुझे उत्तर दूँगा, अथवा मुझको बोलने दे और तू मुझको उत्तर दे।

23

כַּמָּה	לִי	עֲוֺנוֹת	וְחַטָּאוֹת	פִּשְׁעִי	וְחַטָּאתִי	הֹדִיעֵנִי׃
कितने	मेरे	अधर्म	और-पाप	मेरा-अपराध	और-मेरा-पाप	मुझे-बता
H4100		H5771		H6588		H3045

कितने पाप मैंने किये हैं कौन सा अपराध मुझसे बन पड़ा मुझे मेरे पाप और अपराध दिखा।

24

לָמָּה־	פָנֶיךָ	תַסְתִּיר	וְתַחְשְׁבֵנִי	לְאוֹיֵב	לָךְ׃
क्यों	अपना-चेहरा	तू-छिपाता-है	और-मुझे-मानता-है	शत्रु	अपना
H4100	H6440	H5641	H2803	H0341	

हे परमेश्वर, तू मुझसे क्यों बचता है और मेरे साथ शत्रु जैसा व्यवहार क्यों करता है

25

הֶעָלֶה	נִדָּף	תַּעֲרוֹץ	וְאֶת־	קַשׁ	יָבֵשׁ	תִּרְדֹּף׃
क्या-पत्ते-को	उड़ते-हुए	तू-डराएगा	और	भूसे-को	सूखे	तू-पीछा-करेगा
H5929	H5086	H6206	H0853	H7179	H3002	H7291

क्या तू मुझको डरायेगा मैं (अय्यूब) एक पत्ता हूँ जिसके पवन उड़ाती है। एक सूखे तिनके पर तू प्रहार कर रहा है।

26

כִּי־	תִכְתֹּב	עָלַי	מְרֹרוֹת	וְתוֹרִישֵׁנִי	עֲוֺנוֹת	נְעוּרָי׃
क्योंकि	तू-लिखता-है	मेरे-विरुद्ध	कड़वाहटें	और-तू-मुझे-विरासत-में-देता-है	अधर्म	मेरी-जवानी-के
	H3789		H4846	H3423	H5771	

हे परमेश्वर, तू मेरे विरोध में कड़वी बात बोलता है। तू मुझे ऐसे पापों के लिये दु:ख देता है जो मैंने लड़कपन में किये थे।

27

וְתָשֵׂם	בַּסַּד	רַגְלַי	וְתִשְׁמוֹר	כָּל־	אָרְחוֹתָי	עַל־	שָׁרְשֵׁי	רַגְלַי
और-तू-रखता-है	काठ-में	मेरे-पैर	और-तू-देखता-है	सब	मेरे-मार्ग	पर	जड़ों-की	मेरे-पैरों-की
	H5465	H7272	H8104	H3605	H0734		H8328	H7272

תִּתְחַקֶּה׃
तू-निशान-लगाता-है
H2707

मेरे पैरों में तूने काठ डाल दिया है, तू मेरे हर कदम पर आँख गड़ाये रखता है। मेरे कदमों की तूने सीमायें बाँध दी हैं।

28

וְהוּא	כְּרָקָב	יִבְלֶה	כְּבֶגֶד	אֲכָלוֹ	עָשׁ׃
और-वह	सड़ांध-की-तरह	सड़-जाता-है	जैसे-वस्त्र	खा-जाता-है-जिसे	कीड़ा
H1931	H7538	H1086		H0398	

मैं सड़ी वस्तु सा क्षीण होता जाता हूँ कीड़ें से खाये हुये कपड़े के टुकड़े जैसा।”